नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-06, नौएडा

पत्र संख्याः नौएडा/मु०वा०नि०/2024/५२८५ दिनांकः २९- च - २०२५

कार्यालय आदेश

नौएडा औद्योगिक विकास क्षेत्र में 81 गांव सम्मिलित है एवं सम्पूर्ण औद्योगिक विकास क्षेत्र का क्षेत्रफल 20,316 हैक्टेयर है। यह विकास क्षेत्र हिन्डन नदी तथा यमुना नदी के मध्य स्थित है।

नौएडा विकास क्षेत्र का urbanizable area लगभग 15,280 हैक्टेयर है एवं अवशेष एरिया लगभग 5,036 हैक्टेयर रिवर फ्रन्ट डवलपमेन्ट के अंतर्गत दर्शाया गया है। महायोजना में उक्त एरिया को कृषि, उद्यानीकरण, फ्लोरीकल्चर अथवा मनोरंजन गतिविधियों हेतु उपयोग में लाये जाने का उल्लेख है एवं इस एरिया में किसी भी प्रकार के स्थायी भवन निर्माण की अनुमति नहीं है। इस क्षेत्र के विकास के संबंध में महायोजना 2031 में निम्नलिखित प्राविधान है:—

5.11 RIVER FRONT DEVELOPMENT AREA

Noida is bounded by the two embankments of river Yamuna and Hindon. Urbanisation is proposed broadly within the area between these two embankments. Development of urban activities has not been proposed in more than 5000 hectare land situated in the river front area of both the rivers because this is basically a flood effected area. The river Yamuna suffer from inadequate flow and quantum of water during majority time of the year. Rapid urbanization, encroachment on the river banks and over exploitation of water in Delhi has resulted in the dwindling of water flow in the river. The river is highly polluted due to discharge of untreated waste water through drains. However, the river Yamuna generates very high level of water flow during rainy seasons and some times due to discharge of rainy water from dams cause floods in the areas of Delhi and Noida. Conservation of flood prone area is essential. Therefore, urban activities have not been proposed in the river front areas of both the rivers. This entire area is proposed to be kept as green and open. However, it is proposed that the river front areas shall be developed for recreational and tourist activities with the provision of some temporary and removable structure on 1 percent area of a specific development project. A detailed plan of the development of river front areas is proposed to be prepared after a detailed study of its environmental conditions and potentials of development. It is a sensitive area and needs a detailed study to understand the cycle of flood occurrence, the ground water recharge potential and requirement, potential of reclamation and the potential of making this area physically accessible and functional.

महायोजना के उक्त प्राविधानों से स्पष्ट है कि इस 5000 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में रिवर फ्रन्ट डवलपमेन्ट किया जा सकता है, जिसके लिए बाढ़ की सम्मावना का विस्तृत अध्ययन, ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज पॉटेन्शियल, आदि के संबंध में किसी विशेषज्ञ संस्था से अध्ययन के उपरान्त ही रिवर फ्रन्ट डवलपमेन्ट की योजना को मूर्त रूप दिया जा सकता है। रिवर फ्रन्ट एरिया को मनोरंजन तथा पर्यटन सुविधाओं के लिए भी विकसित किया जा सकता है, लेकिन ऐसे क्षेत्रों में अस्थायी तथा removable structure ही निर्मित किये जा सकते हैं, जो कि ऐसे किसी प्रोजेक्ट के एक प्रतिशत एरिया से अधिक नहीं हो।

श्री अभिष्ट कुसुम गुप्ता, पर्यावरणविद् द्वारा हिन्डन पलंड प्लेन डवलपमेन्ट के संबंध में एक प्रस्ताव दिया गया है। उक्त प्रस्ताव का अध्ययन कर एवं स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत किये जाने हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय द्वारा दिनांक 23.07.2024 को निम्नवत् समिति गठित की गयी

1.	अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एस.पी.)	अध्यक्ष
2.	श्रीमती मीना भार्गव, महाप्रबन्धक (नियोजन)	सदस्य
3.	महाप्रबन्धक (जल)	सदस्य
4.	उपमहाप्रबन्धक (सिविल)	सदस्य
5.	श्री मुकेश वैश्य, अधिशासी अभियन्ता (सिंचाई विभाग)	सदस्य
6.	श्री अभिष्ट कुसुम गृप्ता	सदस्य

उक्त समिति द्वारा हिन्डन रिवर में पिछले 100 वर्ष, 50 वर्ष एवं 25 वर्ष में आयी बाढ़ का अध्ययन, रिवर का कोर्स बदलने के परिणाम, embankment की लोकेशन, आदि का अध्ययन कर 02 माह में अपनी रिपोर्ट मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय को प्रस्तुत की जायेगी।

> (सतीश पाल) अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नौएडा

प्रतिलिपि:-

1. मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय को अवलोकनार्थ।

2. समिति के समस्त सदस्यों को अनुपालनार्थ।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नौएडा